

23/9/20 (Wed) KIRAN-RAM

पाठ-11 (वर्षा शब्दार्थ भी)

प्रसंग सहित सरलार्थ 1, 2, 3

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियां हमारी पाठ्य-पुस्तक नवीन पल्लव की कविता सूरदास के पद्य बाललीला से ली गयी हैं, इससे कवि जी सूरदास जी हैं।
प्रसंग प्रस्तुत पद्यों में सूरदासजीने श्रीकृष्ण के बालरूप एवं माता यशोदा के पुत्र प्रेम का बहुत सुंदर वर्णन किया है।

1. — सरलार्थ :- माता यशोदा कृष्ण को सुलाने का प्रयास कर रही हैं, श्रीकृष्ण को पालने में झुलझुल करती हैं, उन्हे लोरीयां सुनाती हैं, कभी बुलाती हैं, कभी गुनगुनाते लगती हैं।
3. — यशोदा माँ कहती हैं कि मेरे लाल को नींद आ जाये और वह सो जाये।
4. — वे नींद से ऐसे शिकायत करती हैं, माँ को नींद की ही गलती हो। जबकि सत्य यह है कि कन्हैया सोना नहीं चाहते।
5. — कन्हैया पलक फरमाते हैं।
— कभी कृष्ण आँखों को बंद कर लेते हैं, कभी वे अपने हाँठ छिपाते हैं।
6. — (सौकर...) कभी यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि वे सो गये हैं।
परन्तु फिर क्षण भर में संकेत से बुद्ध बोलने लगते हैं।

Ch. 11 सरलाधर (Amanu) 181 का शेष भाग

7. (इतिहास --) ममी अचानक से चौंकर दौड़कर
से उठ जाते हैं, तभी माँ यशोदा पुनः लौरी
गाने लगती हैं।
8. (Last line) कवि कहते हैं कि कृष्ण को सुलते हुए,
उन्के साथ रहते हुए जो सुख माँ यशोदा को
प्राप्त हो रहा है वह अन्य ऋषि-मुनियों को भी दुलम है।

महत्त्व

2

प्रसंग (SALAH)

कविता की पाँचवीं के साथ ही

- 1. कृष्ण हाथ में मक्खन लिए हुए बहुत सुन्दर लग रहे हैं।
- 2. धुनो के बल चलते हुए, धूल से सने हुए, मुख पर
दही चारों ओर फैली हुई है।
- 3. श्री कृष्ण के गाल सुन्दर हैं, नेत्र चंचल हैं, माँ पर
रीली और चंदन का तिलक है।
- 4. - कृष्ण के चेहरे पर बालों की लपटाईं ऐसी
प्रतीत होती हैं मानों फूल पर मंजरा मंजरा
रहा हो।
- 5. कृष्ण के गले में कठला नामक आभूषण है
गले में एक और आभूषण है, जो शेर के नाखून
से बना है।
- 6. सूरदास जी कहते हैं कि भगवान श्री कृष्ण को एक
पल दुख का सुख मनुष्य के सौ वर्षों के
सुखों के समान है।

Hand over
यहाँ तक

③ सरलार्थ-पाठ-॥ (KIRANRA)

प्रसंग (SAME)

— 1) कृष्ण माँ यशोदा से शिकायत करते हुए कहते हैं कि हे माता मेरी चोटी कब बढ़ेगी?

— 2) कितनी बार मैं दुध पी चुका हूँ, परन्तु यह अभी तक बढ़ी है।

— 3) हे माता आप तो कहती थी कि तुम्हारी चोटी भी बलराम की चोटी की तरह लंबी और मोटी हो जायेगी।

— 4) हे माता आप तो कहती थी कि नखों से, रुंधी करने से यह नागिन की तरह पृथ्वी तक लुहरने लगेगी।

— 5) हे माता आप तो मुझे दुध ही पिलाती रहती हैं बार-बार, मसखन और रोटी कभी भी नहीं देती।

last — 6) सूरदास जी कहते हैं कि कृष्ण और बलराम की जोड़ी सदैव सुखी है और दोनों माई चिरंजीवी हो यानि लंबी आयु है।

(वच्यो जब आप साँप में लिखें तो कविता के की लाइनों के साथ मेल करके ही लिखें आलस्य न करें नहीं तो बाद में परीक्षा के समय मुश्किल होगी - धन्यवाद - किरन राणी

॥ ५॥

23/9/20-2

Class - VIII (A+B+C+D)
Hindi-II
(प्रश्न-उत्तर)

- Kiran Rathi

(क) मौखिक प्रश्न—

1. माता यशोदा किसको पालने में झुला रही हैं ?
उ० माता यशोदा श्री कृष्ण को पालने में झुला रही हैं।
2. नंद-भामिनि को मिलनेवाला सुख किसे दुर्लभ है ?
उ० नंद भामिनि को मिलने वाला सुख अमर मुनियों को भी दुर्लभ है।
3. कृष्ण के हाथ में क्या शोभित हो रहा है ?
उ० कृष्ण के हाथ में मक्खन शोभित हो रहा है।
4. कृष्ण माता यशोदा से किसके बढ़ने की बात पूछ रहे हैं ?
उ० कृष्ण माँ से अपनी चोटी बढ़ने की बात पूछ रहे हैं।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न—

1. माता यशोदा कृष्ण को किस प्रकार सुला रही हैं ?
उ० माता यशोदा कृष्ण को दुलारकर, सहलाकर और लोरी गाकर सुला रही हैं।
2. कृष्ण के कपोल और लोचन कैसे हैं ?
उ० कृष्ण के कपोल सुंदर और नेत्र चंचल हैं।
3. कृष्ण के हृदय पर क्या सुशोभित हो रहा है ?
उ० श्रीकृष्ण के हृदय पर कंठहार व सिंह-नख सुशोभित हो रहा है।
4. कृष्ण अपनी चोटी किसके समान करना चाहते हैं ?
उ० कृष्ण अपनी चोटी बलदाऊ (बड़े भाई) की तरह लंबी और मोटी करना चाहते हैं।

(ग) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न—

1. माता यशोदा के सुलाने पर कृष्ण क्या कर रहे हैं ?

उ० माता यशोदा कृष्ण को सुला रही है। उस समय कृष्ण बाल सुलभ शैतानियां कर रहे हैं। जैसे — कभी आँखें बंद कर लेते हैं और कभी खोल देते हैं।

2. कृष्ण के बाल—रूप का वर्णन कीजिए।

उ० कृष्ण का बाल रूप अति मनोहर है। उनके हाथों में मक्खन है, उनके गाल सुंदर हैं, चंचल नयन हैं और सिर के बाल घुंघराले हैं।

3. कृष्ण माता यशोदा से चोटी न बढ़ने की क्या—क्या शिकायत कर रहे हैं ?

उ० कृष्ण माता यशोदा से कह रहे हैं कि माँ मेरी चोटी कब बढ़ेगी मैं बहुत दिनों से दूध पी रहा हूँ, फिर भी यह छोटी है आप तो कहती थी कि नहाने से चोटी लंबी हो जायेगी।

4. कृष्ण की बाल—लीला का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उ० सूरदास जी ने कृष्ण की बाल—लीला का बड़ा सुंदर वर्णन किया है। उनके हाथों में मक्खन है। धुटने के बल चलते हुए, धूल से सने हुए अति सुन्दर लग रहे हैं। वे बार—बार चोटी न बढ़ने की शिकायत कर रहे हैं।